M.Com. (Part-II) (New CBCS Pattern) Sem-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

P. Pages : 3 **GUG/S/24/13700S**

Time : Three Hours Max. Marks : 80

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Discuss entrepreneurship creativity and innovation. Relationship with the economic development. **16**

OR

Explain the barriers of women entrepreneurship.

2. What is business idea. Explain the general process of business ideas. **16**

OR

Explain the significance of innovation and business research in entrepreneurial development.

3. Describe entrepreneurship behaviour and explain the concept and elements of E.D.P. **16**

OR

State the social Psychological factors influencing entrepreneurship development.

4. Explain the concept and issues in small business marketing. Give the idea of competitive bidding and tender marketing. **16**

OR

State the causes of unsatisfactory progress of agrobased industry. Give suggestion for rehabilitation of sick agroindustry unit.

5. Write answers in short.

a) Explain the function of entrepreneur. **4**

b) Write a note on cash flow management. **4**

c) NGOs in India. **4**

d) Ancillary opportunities in economic sector. **4**

****

M.Com. (Part-II) (New CBCS Pattern) Sem-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहे.

1. आर्थिक विकासाशी संबंधीत नविण्यता व उद्योजकता सृजनशीलता वर चर्चा करा. **16**

किंवा

महिला उद्योजकतेतील अडथळे स्पष्ट करा.

2. व्यावसायिक कल्पना म्हणजे काय व्यवसायिक कल्पना निर्मितीची प्रक्रिया विषद करा. **16**

किंवा

उद्योजकता विकासात नवप्रवर्तन आणि व्यवसाय संशोधनाचे महत्व विषद करा.

3. उद्योजकतीय व्यवहार स्पष्ट करून उद्योजकता प्रशिक्षण कार्याक्रमाचे संकल्पना व घटक स्पष्ट करा. **16**

किंवा

उद्योजकता विकासावर परिणाम करणारे समाजशास्त्रीय मानसिक घटक सांगा.

4. लघु व्यावसायिक विपणनाची संकल्पना व मुद्दे स्पष्ट करा तसेच स्पर्धात्मक लिलाव व निविदा काय आहे ते सांगा. **16**

किंवा

कृषी आधारित उद्योगाच्या असामाधान कारक प्रगतीची कारणे सांगा. रूग्न कृषी उद्योग एककाच्या पुनर्वसनासाठी उपाय लिहा.

5. थोडक्यात उत्तरे लिहा.

अ) उद्योजकताचे कार्य स्पष्ट करा. **4**

ब) रोखप्रवाह व्यवस्थापन. **4**

क) भारतातील गैरसरकारी संस्था (NGO). **4**

ड) आर्थिक क्षेत्रातील पूरक संधी. **4**

****

M.Com. (Part-II) (New CBCS Pattern) Sem-IV

PCC4C03 - Entrepreneurial Development

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. उघमित्ता रचनात्मकता और नवाचार आर्थिक विकास के साथ संबंधो पर चर्चा कीजिये। **16**

अथवा

महिला उद्योजकों को आनेवाली कठिनाईयो को स्पष्ट किजिये।

2. व्यवसायिक कल्पना क्या है। व्यवसाय कल्पना निर्मिती की प्रक्रिया विषद किजिए। **16**

अथवा

उपक्रमी के विकास में नवप्रर्वतन एवं व्यवसाय संशोधन का महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. उद्योजकीय व्यवहार स्पष्ट किजिये एवं उद्योतका प्रशिक्षण कार्यक्रम की संकल्पना और घटक स्पष्ट किजिये। **16**

अथवा

उघमशीलता विकास के लिये सामाजिक मनोवैज्ञानिक कारक बतलाईये।

4. लधु व्यावसायिक विपणन की संकल्पना तथा मुद्दे स्पष्ट किजिए तथा स्पर्धातमक लिलाव एंवम निविदा विपणन क्या है बताईए। **16**

अथवा

कृषीपर आधारित उद्योग की असमाधानकारक प्रगती के कारणो का विवेचन कीजिये। बीमार कृषी उद्योग इकाई के पुनर्वसन के लिये सुझाव दीजिए।

5. संक्षिप्त में उत्तर लिखिए-

अ) उद्योजक के कार्य स्पष्ट किजिए। **4**

ब) निधी प्रवाह व्यवस्थापन। **4**

क) भारत की गैरसरकारी संस्था। **4**

ड) आर्थिक क्षेत्र मे सहाय्यक अवसर। **4**

****